ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
आईसीएआर - केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान
जोधपुर, राजस्थान

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 16-09-2022

जोधपुर(राजस्थान) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2022-09-16 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2022-09-17	2022-09-18	2022-09-19	2022-09-20	2022-09-21
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	36.0	34.0	34.0	35.0	35.0
न्यूनतम तापमान(से.)	25.0	25.0	26.0	25.0	24.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	70	70	65	55	52
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	23	34	30	30	30
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	28.0	13.0	17.0	19.0	18.0
पवन दिशा (डिग्री)	223	229	246	257	252
क्लाउड कवर (ओक्टा)	2	0	0	1	0

मौसम सारांश / चेतावनी:

आने वाले दिनों में आसमान साफ रहने के साथ वर्षा नहीं होने की सम्भावना । आगामी पांच दिनों में अधिकतम तापमान 34.0 से 36.0 डिग्री सेंटीग्रेड और न्यूनतम तापमान 24.0 से 25.0 डिग्री सेंटीग्रेड रहने की सम्भावना।

सामान्य सलाहकार:

अगेती बाजरा और मूंग की फसल अभी पकाव की ओर अग्रसर है अतः उचित कायिक पकाव पर कटाई कर सुरक्षित स्थान पर रखें ।

लघु संदेश सलाहकार:

आने वाले दिनों में आसमान साफ रहने के साथ वर्षा नहीं होने की सम्भावना ।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
ग्वारफली	ग्वार की फसल में चुसने वाले कीड़ो जैसे सफ़ेद मक्खी, माहु तथा जैसिड रोग का प्रकोप होने की संभावना है। अतः कीट नियंत्रण के लिए इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एस.एल. का 200 मिलीलीटर या एसिटामीप्रीड 20 एस.पी. 01 ग्राम प्रति 02 लीटर पानी की दर से साफ़ मौसम में छिड़काव करे।
तिल	तिल की फसल में फाईलोडी रोग के नियंत्रण के लिए रोगी पौधों को उखाड़कर नष्ट कर देवे तथा इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एस.सी. का 2 मिलीलीटर प्रति 10 लीटर पानी की दर से छिड़काव करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	पशु बाड़े में मल-मूत्र व कचरा आदि के कारण पशु में संक्रामक रोगों व परजीवियों का प्रकोप बढ़ने का खतरा रहता है। अतः बाड़े की साफ-सफाई पर ध्यान दें।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
भूमि की तैयारी	तारामीरा की बुवाई का उचित समय 15 सितम्बर से 15 अक्टूबर तक है अतः खाली खेत में उचित नमी की अवस्था में तारामीरा की बुवाई हेतू बीज की व्यवस्था करें तथा उन्नत किस्म जैसे आर.टी.एम.-314 बुवाई के लिए उपयुक्त है। एक हैक्टेयर के लिए 5 किलो बीज पर्याप्त होता है।